

Padma Shri



SHRI DILSHAD HUSSAIN

Shri Dilshad Hussain is an eminent craftsman of metal wares from Moradabad which is world famous for metal handicraft products.

2. Born on 17th January 1943, Shri Hussain after completing his basic education, started learning the Engraving - Nakkashi on Metal wares from his grandfather Shri Abdul Hamid. He was very keen to adopt this craftsmanship.

3. Shri Hussain, since his childhood has a patience to sit for hours continuously & concentrate by focusing his eyes on the process of Nakkashi. He had also joined a training programme at Metal Handicrafts Service Centre, Ministry of Textiles, Government of India at Moradabad to use the modern technologies in the area of Metal Handicrafts which is helpful to preserve the ancient Art. His whole family has been working in crafts and many of them have won awards.

4. Shri Hussain had visited Iran in 2015 and delivered a training in Engraving to their Artisans. He had also trained about 400 Artisans in Moradabad. He had attended several Handicrafts Fairs and demonstrated Engraving for making its more popular in modern era. The Prime Minister of India Shri. Narendra Modi had also gifted an Engraved Matka (Vessel) made by him to the German Chancellor during G-7 Summit last year.

5. Shri Dilshad Hussain won several awards in Engraving including Rajya Hast Shilp Puraskar by State Government of Uttar Pradesh in the year of 2004; National Award IInd Certificate of Merit - 2012 by the Ministry of Textiles, Government of India; Shilp Guru Award in 2007 by the Ministry of Textiles, Government of India.



श्री दिलशाद हुसैन

श्री दिलशाद हुसैन धातु के हस्तशिल्प उत्पादों के लिए विश्वप्रसिद्ध, मुरादाबाद के धातु निर्मित सामान के प्रख्यात शिल्पकार हैं।

2. 17 जनवरी, 1943 को जन्मे, श्री हुसैन ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूरी करने के बाद अपने दादा श्री अब्दुल हामिद से धातु के सामान पर नक्काशी सीखना शुरू किया। वह इस शिल्प कौशल को सीखने के लिए अत्यंत आतुर थे।
3. श्री हुसैन बचपन में लगातार घंटों धैर्यपूर्वक बैठकर और एकटक नक्काशी की प्रक्रिया सीखा करते थे। उन्होंने धातु हस्तशिल्प में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखने के लिए मुरादाबाद में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के धातु हस्तशिल्प सेवा केंद्र में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया, जिससे इस प्राचीन कला को संरक्षित करने में बहुत मदद मिली। उनका पूरा परिवार इस शिल्प कार्य को करता है और उनमें से कई को पुरस्कृत किया गया है।
4. श्री हुसैन ने 2015 में ईरान का दौरा किया था और वहाँ के कारीगरों को नक्काशी का प्रशिक्षण दिया था। उन्होंने मुरादाबाद में भी लगभग 400 कारीगरों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कई हस्तशिल्प मेलों में भाग लिया है और आधुनिक समय में इसे और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए नक्काशी का प्रदर्शन किया है। भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मन चांसलर को उनके द्वारा नक्काशी किया गया एक मटका (पात्र) उपहार में दिया था।
5. श्री हुसैन को नक्काशी के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें वर्ष 2004 में उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा राज्य हस्त शिल्प पुरस्कार; 2012 में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार द्वितीय उत्कृष्टता प्रमाणपत्र; 2007 में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शिल्प गुरु पुरस्कार शामिल है।